पंजाब केसरी
TUE,26 NOVEMBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

15 दिवसीय ट्रांजिशनल करिकुलम कार्यक्रम सम्पन्न

पढ़ना पर्याप्त नहीं, आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी है आवश्यक : वैद्य धीमान

गोहाना, 25 नवम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बी.ए.एम.एस. प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांजिशनल करिकुलम कार्यक्रम सोमवार सम्पन्न हो गया।

समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के वी.सी. प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरोग्य लक्ष्मी हैल्थ केयर प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) कृष्ण खाण्डल पहुंचे।

मुख्य अतिथि प्रो. करतार सिंह धीमान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र छात्राओं को दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को पढ़ना भर पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है।

उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संस्कृत के ज्ञान को आयुर्वेद के लिए अहम बताते हुए कहा कि संस्कृत भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखने का कोई अन्य रास्ता नहीं है। छात्राएं वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर देश का खोया हुआ गौरव वापस लौटाने में अपना योगदान दें।

आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है: प्रो. खाण्डल

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. कृष्ण खाण्डल ने कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैश्विक मांग के अनुरूप एक आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में अपना कौशल विकसित करने तथा वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के निदान पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रारंभ में संस्थान की प्रिंसीपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्र निकिता शर्मा एवं दिव्या ने इस 15 दिवसीय कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। नवागंतुक छात्राओं के लिए एप्रन सेरेमनी आयोजित की गई। सम्मानित अतिथिगणों द्वारा प्रतिभागियों को चरक शपथ दिलवाई गई। सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

दीप प्रज्वलित करते हुए करतार सिंह धीमान, साथ हैं प्रो. सुदेश व अन्य। (अरोड़ा)

एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है: प्रो. सुदेश

महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने उपस्थित जन को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आयुर्वेद का तकनीक के साथ समावेश करना जरूरी है।

प्रो. सुदेश ने छात्राओं को आयुर्वेद को समाज की मुख्यधारा तक पहुंचाने और इसे आम जन-जीवन का हिस्सा बनाने में योगदान देने की बात कही। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एंटरप्रिन्योरशिप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया।

कुलपति ने छात्राओं को दिया जियो आयुर्वेद का मंत्र

आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की जरूरत: प्रो. करतार

गोहाना | कुरुक्षेत्र के श्रीकृष्ण आयुष विवि के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने कहा कि आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता है। वे सोमवार को बीपीएस महिला विवि के आयुर्वेद संस्थान में बीएएमएस प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांजिशनल करिकुलम कार्यक्रम के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को जियो आयुर्वेद का मंत्र दिया।

प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने संस्कृत के ज्ञान को आयुर्वेद के लिए अहम बताया। उन्होंने संस्कृत भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखने का कोई अन्य रास्ता नहीं है। छात्राएं वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर देश का खोया हुआ गौरव वापस लौटाने में अपना योगदान दें। इसके साथ ही छात्राएं जिज्ञासु बने और समय का सदुपयोग करें। बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने सभी को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया। आरोग्य लक्ष्मी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक प्रो. कृष्ण खाण्डल ने कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। इस मौके पर संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल, आयोजन सचिव डॉ. महेश शर्मा, कन्वीनर डॉ. गोविंद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ट्रांजिशनल करिकुलम के समापन सत्र में संबोधित करते हुए अतिथि।

आयुर्वेद को आत्मसात करके जीने की जरूरत : प्रो. करतार

15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम का हुआ समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल (एमएसएम) आयुर्वेद संस्थान में संचालित 15 दिवसीय संक्रमणकालीन पाठ्यचर्या कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने शिरकत की। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। विशिष्ट अतिथि प्रो. कृष्ण खांडल रही। मुख्य अतिथि प्रो. करतार सिंह धीमान ने बताया कि आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि छात्राएं वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर देश का खोया हुआ गौरव वापस लौटाने में अपना योगदान दें।

आयुर्वेद संस्थान में कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि करतार सिंह । स्रोत : विवि

उन्होंने छात्राओं को जिज्ञासु बनने और समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने बताया कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है।

आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता : प्रो . धीमान

कुलपति प्रो . करतार सिंह धीमान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, साथ में कुलपति प्रो . सुदेश, प्रो . श्रीकृष्ण खांडल ● सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के एमएसएम आयुर्वेद संस्थान में बीएएमएस प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए आयोजित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम का सोमवार को समापन हो गया। समापन सत्र में श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. करतार सिंह धीमान मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की।

प्रो. करतार सिंह धीमान ने कहा कि आयुर्वेद को आत्मसात करने के लिए इसे जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया और आयुर्वेद के दर्शन व सिद्धांत को रेखांकित किया। उन्होंने संस्कृत के ज्ञान को आयुर्वेद के लिए अहम बताते हुए कहा कि संस्कृत भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखने का कोई अन्य रास्ता नहीं है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनें। भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आयुर्वेद का तकनीक के साथ समावेश करना जरूरी है।

आयुर्वेद को आत्मसात करने के लिए उसे जीना भी जरूरी : प्रो. करतार सिंह

एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है : कुलपति प्रो. सुदेश

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विवि के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बीएएमएस प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हो गया।

समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुष विवि, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरोग्य लक्ष्मी हेल्थ केयर प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी वंदना के साथ की गई।

मुख्य अतिथि प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र छात्राओं को दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. धीमान ने अपने संबोधन में आयुर्वेद के दर्शन और सिद्धांत को रेखांकित किया। उन्होंने छात्राओं को जिज्ञासु बनने और समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने उपस्थित जन को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया। उन्होंने भावी चिकित्सकों को संवेदनशीलता के साथ सेवा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एंटरप्रेन्योरशिप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए भी छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल एवं प्रतिभागी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) कृष्ण खाण्डल ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैश्विक मांग के अनुरूप एक आयुर्वेद चिकित्सक के रूप में अपना कौशल विकसित करने तथा वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के निदान पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रारंभ में संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्राओं निकिता शर्मा एवं दिव्या ने कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिभागी छात्राओं ने कार्यक्रम के दौरान के अपने अनुभव साझा किए।

15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम सम्पन्न

समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यतिथि।

गोहाना, 25 नवम्बर (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बी.ए.एम.एस. प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम आज संपन्न हो गया। समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरोग्य लक्ष्मी हेल्थ केयर प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र छात्राओं को दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) कृष्ण खाण्डल ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। प्रारंभ में संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्राओं निकिता शर्मा एवं दिव्या ने इस 15 दिवसीय कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। आयोजन सचिव डॉ. महेश शर्मा ने कार्यक्रम संचालन किया। धन्यवाद संबोधन कन्वीनर डॉ. गोविंद गुप्ता ने किया। सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रही।

विभिन्न स्कूलों के प्राचार्यों ने दीप्ती स्कूल का किया दौरा

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
26-Nov-2024
Page: 13
http://www.ajitsamachar.com/20241126/27/13/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 26-11-2024 - 26 Nov 2024 - Page 4

प्रो. करतार सिंह ने कार्यक्रम छात्राओं को किया सबंधोधित

आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं, इसको जीना भी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के एमएसएम आयुर्वेद संस्थान में बीएएमएस प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हो गया।

समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुष विवि, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। विशिष्ट अतिथि आरोग्य लक्ष्मी हेल्थ केयर प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) कृष्ण खाण्डल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सम्मानित अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी वंदना के साथ की गई।

मुख्य अतिथि प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र छात्राओं को दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. धीमान ने आयुर्वेद के दर्शन और सिद्धांत को रेखांकित किया। उन्होंने संस्कृत के ज्ञान को आयुर्वेद के लिए अहम बताते हुए कहा कि संस्कृत भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखने का कोई अन्य रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्राएं वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर देश का खोया हुआ गौरव वापस लौटाने में अपना योगदान दें। कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने उपस्थित जन को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया।

गोहाना। अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश। फोटो : हरिभूमि

आयुर्वेद का तकनीक के साथ समावेश करना जरूरी : कुलपति प्रो. सुदेश

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह की इस तपोस्थली के मूल संस्कारों को हमेशा स्मरण रखें। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में आगे बढने के लिए आयुर्वेद का तकनीक के साथ समावेश करना जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एंटरप्रेन्योरशिप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) कृष्ण खाण्डल ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैश्विक मांग के अनुरूप एक आयुर्वेद चिकित्सक के रूप में अपना कौशल विकसित करने तथा वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के निदान पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। संस्थान की प्राचार्य इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्रा निकिता शर्मा एवं दिव्या ने कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिभागियों को चरक शपथ दिलवाई गई। आयोजन सचिव डॉ. महेश शर्मा ने कार्यक्रम संचालन किया। धन्यवाद संबोधन कन्वीनर डॉ. गोविंद गुप्ता ने किया। सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रही।

आयुर्वेद को आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी : प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गोहाना, 25 नवंबर। भगत फूल सिंह महिला विवि के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बीएएमएस प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हो गया।

समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुष विवि, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरोग्य लक्ष्मी हेल्थ केयर प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी वंदना के साथ की गई।

मुख्य अतिथि प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र छात्राओं को दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है।

उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. धीमान ने अपने संबोधन में आयुर्वेद के दर्शन और सिद्धांत को रेखांकित किया। उन्होंने छात्राओं को जिज्ञासु बनने और समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने उपस्थित जन को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया।

उन्होंने भावी चिकित्सकों को संवेदनशीलता के साथ सेवा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एंटरप्रेन्योरशिप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए भी छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल एवं प्रतिभागी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैश्विक मांग के अनुरूप एक आयुर्वेद चिकित्सक के रूप में अपना कौशल विकसित करने तथा वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के निदान पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रारंभ में संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्राओं निकिता शर्मा एवं दिव्या ने कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

प्रतिभागी छात्राओं ने कार्यक्रम के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। नवागंतुक छात्राओं के लिए एप्रन सेरेमनी आयोजित की गई और चरक शपथ दिलवाई गई। आयोजन सचिव डॉ. महेश शर्मा ने कार्यक्रम संचालन किया। धन्यवाद संबोधन कन्वीनर डॉ. गोविंद गुप्ता ने किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

Play / Stop Audio

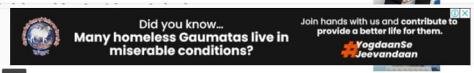

आयुर्वेद को आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरीः प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विवि के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बीएएमएस प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हो गया।

समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुष विवि, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरोग्य लक्ष्मी हेल्थ केयर प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी वंदना के साथ की गई।

मुख्य अतिथि प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र छात्राओं को दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. धीमान ने अपने संबोधन में आयुर्वेद के दर्शन और सिद्धांत को रेखांकित किया। उन्होंने छात्राओं को जिज्ञासु बनने और समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने उपस्थित जन को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया। उन्होंने भावी चिकित्सकों को संवेदनशीलता के साथ सेवा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एंटरप्रेन्योरशिप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए भी छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल एवं प्रतिभागी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैश्विक मांग के अनुरूप एक आयुर्वेद चिकित्सक के रूप में अपना कौशल विकसित करने तथा वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के निदान पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रारंभ में संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्राओं निकिता शर्मा एवं दिव्या ने कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिभागी छात्राओं ने कार्यक्रम के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। नवागंतुक छात्राओं के लिए एप्रन सेरेमनी आयोजित की गई और चरक शपथ दिलवाई गई। आयोजन सचिव डॉ. महेश शर्मा ने कार्यक्रम संचालन किया। धन्यवाद संबोधन कन्वीनर डॉ. गोविंद गुप्ता ने किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

Tags: Ayurveda Vaid

RELATED POSTS

अडानी पर चर्चा पर संकोच क्यों ?

एनसीसी कैडेट्स ने मनाया एनसीसी सप्ताह

एमएसएमई का जागरूकता कार्यक्रम मंगलवार को

POPULAR POSTS
Weekly Posts
Date for resuming India-UK free trade talks to be finalised...
State-of-the-Art Disdrometer installed at Gaggal Airport...
Real Estate Industry Pin Hopes on Maharashtra Government...
Offset Printers Association to usher in a new era of leadership...

FOLLOW US
Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...
Vikrant Massey talks about responsibility of media as the...
Your love for sarees may raise risk of skin cancer, warns...
How kidney problems raise risk of strokes
Limiting sugar consumption early can prevent chronic disease...
Wayanad has realised BJP will pave path to development:...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

COMMENTS

Name | Email

Comment

Post Comment

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

पढ़ना पर्याप्त नहीं, आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी है आवश्यक : वैद्य धीमान

बी.ए.एम.एस. प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांजिशनल करिकुलम कार्यक्रम सम्पन्न

गोहाना मुद्रिका न्यूज, 25 नवम्बर :

बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बी.ए.एम.एस. प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांजिशनल करिकुलम कार्यक्रम सोमवार संपन्न हो गया। समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के वी.सी. प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरोग्य लक्ष्मी हेल्थ केयर प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल पहुंचे। शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धन्वन्तरि वंदना के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र छात्राओं को दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को पढ़ना भर पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. धीमान ने अपने संबोधन में आयुर्वेद के दर्शन और सिद्धांत को रेखांकित किया। उन्होंने संस्कृत के ज्ञान को आयुर्वेद के लिए अहम बताते हुए कहा कि संस्कृत भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखने का कोई अन्य रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्राएं वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर देश का खोया हुआ गौरव वापस लौटाने में अपना योगदान दें। उन्होंने छात्राओं को जिज्ञासु बनने और समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने उपस्थित जन को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया। उन्होंने भावी चिकित्सकों को संवेदनशीलता के साथ सेवा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भगत फूल सिंह जी की इस तपोस्थली के मूल संस्कारों को हमेशा स्मरण रखें। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आयुर्वेद का तकनीक के साथ समावेश करना जरूरी है।

प्रो. सुदेश ने छात्राओं को आयुर्वेद को समाज की मुख्यधारा तक पहुंचाने और इसे आम जन-जीवन का हिस्सा बनाने में योगदान देने की बात कही। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एंटरप्रेन्योरशिप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल ने कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैश्विक मांग के अनुरूप एक आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में अपना कौशल विकसित करने तथा वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के निदान पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रारंभ में संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्र निकिता शर्मा एवं दिव्या ने इस 15 दिवसीय कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। नवागंतुक छात्राओं के लिए एप्रन सेरेमनी आयोजित की गई। सम्मानित अतिथि गणों द्वारा प्रतिभागियों को चरक शपथ दिलवाई गई। सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।